

## उत्तराखण्ड के पहाड़ों में टनल पार्कगि के लिये 12 जगह तय

### चर्चा में क्यों?

4 दसिंबर, 2022 को उत्तराखण्ड के उत्तराखण्ड आवास एवं नगर वकिस प्ररधकिरण के संयुक्त मुख्य प्रशासक पीसी दुमका ने बताया कि मुख्य सचवि डॉ. एसएस संधु के नरिदेश पर चार ज़िलों में कुल 12 पहाड़ों को टनल पार्कगि के लिये चुना गया है। इनकी डीपीआर बनाई जा रही है।

### प्रमुख बदि

- वदिति है कि हर साल लाखों पर्यटक उत्तराखण्ड आते हैं, लेकनि पहाड़ी ज़िलों में पार्कगि की समस्या वकिराल है। पार्कगि की समस्या दूर करने के लिये मुख्य सचवि डॉ. एसएस संधु के नरिदेशों पर टनल पार्कगि पर काम शुरू हुआ था।
- पार्कगि बनाने के लिये आरवीएनएल, यूजेवीएनएल, टीएचडीसी और एनएचआईडीसीएल को कार्यदायी संस्था बनाया गया है।
- टनल पार्कगि के लिये पौड़ी में दो, टहिरी में छह, उत्तरकाशी में दो और नैनीताल में दो मलिाकर कुल 12 टनल पार्कगि की जगह तय की गई है।
- जनि प्रवतीय जिलों में पार्कगि के लिये बड़ा मैदान उपलब्ध नहीं है, वहाँ पहाड़ों के भीतर ही टनल से पार्कगि का काम लिया जाएगा। ये पार्कगि ऐसी बनाई जाएंगी कि एक तरफ से वाहन पार्कगि के लिये घुसेगा और दूसरी सड़क पर बाहर नकिल जाएगा।
- गौरतलब है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025 तक प्रदेश में 50 बड़ी पार्कगि बनाने का लक्ष्य तय कया है। 2030 तक इनकी संख्या 100 तक हो जाएगी। इसमें नज़िी सहभागिता के लिये भी वशिष छूट के प्रावधान कये जा रहे हैं। इसके लिये शासन सूत्र पर पार्कगि नीति की प्रक्रिया चल रही है, जो जल्द ही कैबिनेट में लाई जाएगी।